KENDRIYA VIDYALAYA NO.2 AFS, GWALIOR

3 DAY WORKSHOP ON e-Granthalaya SOFTWARE (II-Phase)
FOR AUTOMATION AND NETWORKING OF KVs LIBRARIES
IN ASSOCIATION WITH NIC, NEW DELHI
(FROM 30-04-2013 TO 02-05-2013)

ग्वालियर • मंगलवार 30 अप्रैल 2013

City भास्कर

ई-ग्रंथालय पर कार्यशाला आज

सिटी रिपोर्टर. केंद्रीय विद्यालय संगठन संभाग आगरा के उपायुक्त डॉ. जयदीप दास एक दिवसीय प्रवास पर शहर में 30 अप्रैल को आ रहे हैं। वह यहां केंद्रीय विद्यालय क्रमांक दो में ई-ग्रंथालय सॉफ्टवेयर पर होने वाली तीन दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। सुबह दस बजे से होने वाले इस समारोह में नई दिल्ली से रविरंजन, रामकृष्ण शामिल होंगे। इस सॉफ्टवेयर से देशभर के केंद्रीय विद्यालयों की लाइब्रेरी आपस में कनेक्ट की जाएंगी।

KENDRIYA VIDYALAYA NO.2 AFS, GWALIOR

3 DAY WORKSHOP ON e-Granthalaya SOFTWARE (II-Phase)

FOR AUTOMATION AND NETWORKING OF KVs LIBRARIES

IN ASSOCIATION WITH NIC, NEW DELHI

(FROM 30-04-2013 TO 02-05-2013)

पत्रिका

WEDNESDAY, 01.05.13

CITY-EVENTS

केवी 2 में ई लाइब्रेरी पर वर्कशॉप

ग्वालियर. पुस्तकों से व्यक्ति का समग्र विकास होता है। यह कहना है सीबीएसई के उपायुक्त डॉ. जयदीप दास का। वह मंगलवार को केवी 2 में आयोजित तीन दिवसीय ई ग्रन्थालय सॉफ्टवेयर वर्कशॉप के उद्घाटन सत्र में बोल रहे थे। यह वर्कशॉप केवी विद्यालय संगठन और एनआईसी नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित की जा रही है। इस मौके पर संभाग के 38 केन्द्रीय विद्यालयों के 38 पुस्तकालाध्यक्ष और कम्प्यूटर शिक्षक शामिल रहे। इस वर्कशॉप में एनआईसी नई दिल्ली के वैज्ञानिक डॉ. रवि रंजन और रामकृष्ण उपस्थित थे। उन्होंने न्यू टेक्नालॉजी पर अपने विचार व्यक्त किए। उनका कहना था कि केवी को इस सुविधा के जरिए टीचर एवं स्टूडेंट्स को एक ही विषय पर अनेक पुस्तकों का संग्रह आसानी से उपलब्ध हो सकेगा।

KENDRIYA VIDYALAYA NO.2 AFS, GWALIOR

3 DAY WORKSHOP ON e-Granthalaya SOFTWARE (II-Phase)

FOR AUTOMATION AND NETWORKING OF KVs LIBRARIES

IN ASSOCIATION WITH NIC, NEW DELHI

(FROM 30-04-2013 TO 02-05-2013)

दैनिक भास्कर
city
ग्वालियर . बुधवार. 1 मई, 2013 | 2

CITY ANCHOR — केंद्रीय विद्यालय संगठन ने स्टूडेंट्स के मानसिक विकास के लिए बनाई योजना

मैथमेटिकल गार्डन बढ़ाएंगे तर्कशक्ति

केंद्रीय विद्यालय क्रमांक दो में ई-ग्रंथालय सॉफ्टवेयर पर ट्रेनिंग प्रोग्राम मंगलवार को शुरू हुआ। इसमें केवीएस के आगरा संभाग के उपायुक्त डॉ. जयदीप ने सिटी भास्कर से विशेष चर्चा की।

सिटी रिपोर्टर। अधिकतर बच्चे मैथ और साइंस सब्जेक्ट से बहुत डरते हैं। उनमें फोबिया होता है कि वे इन दोनों टफ सब्जेक्ट में कैसे पास हो पाएंगे। उनके इसी डर को दूर करने के लिए केंद्रीय विद्यालय संगठन एक नेशनल केरिकुलम फ्रेमवर्क तैयार कर रहा है। इससे बच्चों में रीडिंग हैबिट्स डवलप की जाएंगी। इसके साथ ही स्कूल्स में मैथमेटिकल गार्डन बनाए जाएंगे, जो बच्चों की तर्कशक्ति का विकास करेंगे। इस योजना के तहत विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों में जूनियर साइंस लैब का निर्माण भी कराया जा चुका है। यह बात मंगलवार को केंद्रीय विद्यालय संगठन संभाग आगरा के उपायुक्त डॉ. जयदीप दास ने केवी-2 में सिटी भास्कर से विशेष बातचीत के दौरान कही। वह यहां ई-ग्रंथालय सॉफ्टवेयर पर शुरू हुए तीन दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम का शुभारंभ करने आए थे।

डॉ. दास बताया कि मैथलमेटिकल गार्डन हर केवी स्कूल के लिए कंपल्सरी होने जा रहा है। मैथमेटिकल गार्डन बनाने का उद्देश्य बच्चों में मैथमेटिक्स को आसानी से समझाना है।

इससे वे थ्रीडी शेप्स में बने फार्मूलों, ट्राइंगल, रेक्टेंगल, सर्कल और स्क्वायर को खुद मेजर कर उसे समझ सकेंगे और याद भी रख सकेंगे। इससे उनका विजन क्लियर होने के साथ उनकी तर्कशक्ति भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों के लिए भी जल्द ही नए प्रोजेक्ट्स भी शुरू होने वाले हैं।

टीचर्स को संबोधित करते केवीएस आगरा संभाग के उपायुक्त डॉ.जयदीप दास।

देश के 800 केवी स्कूल ई-ग्रंथालय से लिंक्ड

नेशनल इंफॉर्मेशन सेंटर (एनआईसी) दिल्ली से आए साइंटिफिक ऑफिसर रविरंजन और साइंटिस्ट रामकृष्ण ने विभिन्न केवी स्कूल्स से आए लाइब्रेरियन को ट्रेनिंग दी। उन्होंने बताया कि ई-ग्रंथालय सॉफ्टवेयर फ्री ऑफ कॉस्ट केंद्रीय विद्यालय संगठन को उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके माध्यम से अभी तक देश के 800 केवी स्कूल्स और तीन हजार दूसरे इंस्टीट्यूशंस को जोड़ा जा चुका है। अब बच्चे कहीं भी बैठकर किसी भी स्कूल की बुक पढ़ सकेंगे।

KENDRIYA VIDYALAYA NO.2 AFS, GWALIOR

3 DAY WORKSHOP ON e-Granthalaya SOFTWARE (II-Phase)
FOR AUTOMATION AND NETWORKING OF KVs LIBRARIES
IN ASSOCIATION WITH NIC, NEW DELHI
(FROM 30-04-2013 TO 02-05-2013)

नईदुनिया

ग्वालियर बुधवार 01 मई 2013

क्लिक करते ही होगी एंट्री

केंद्रीय विद्यालय-2 में ई-ग्रंथालय सॉफ्टवेयर पर कार्यशाला

ग्वालियर। बारकोडिंग से लाइब्रेरी के काम में बहुत तेजी आएगी, जो काम 5 मिनट में होता है, वह काम 1 मिनट में जाएगा। यही नहीं, एक क्लिक करते ही बुक की एंट्री हो जाएगी। यह जानकारी मंगलवार को एनआईसी नई दिल्ली के साइंटिस्ट रवि रंजन ने केंद्रीय विद्यालय-2 में ई-ग्रंथालय सॉफ्टवेयर पर आयोजित कार्यशाला में दी।

केंद्रीय विद्यालय संगठन व एनआईसी नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में हो रही कार्यशाला का उद्घाटन केवी संगठन आगरा संभाग के उपायुक्त डॉ. जयदीप दास ने किया। उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. जयदीप दास ने कहा कि पुस्तकालय सभी शिक्षण संस्थानों की आत्मा होती है और इनका बच्चों के भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान होता है। ई-ग्रंथालय सॉफ्टवेयर के प्रशिक्षण के बाद केंद्रीय विद्यालय के शिक्षक एवं स्टूडेंट्स को एक ही विषय पर अनेक पुस्तकों का संग्रह आसानी से उपलब्ध हो सकेगा, जिससे ज्ञान की वृद्धि होगी।

इस मौके पर स्कूल की प्राचार्या रेखा सक्सेना ने बताया कि कार्यशाला में आगरा संभाग के 38 केंद्रीय विद्यालयों के 38 पुस्तकालयाध्यक्ष व कम्प्यूटर शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस मौके पर स्कूल के स्टूडेंट्स द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति दी गई।

केन्द्रीय विद्यालय-2 में आयोजित कार्यशाला में उपस्थित शिक्षक व स्टूडेंट्स।

सबोधित करते हुए डॉ. दास।

बारकोड सिस्टम

एनआईसी के साइंटिस्ट रवि रंजन एवं श्री रामकृष्ण ने नेटवर्क टेक्नोलॉजी पर प्रकाश डालते हुए ई-लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर की ट्रेनिंग देने के साथ उसके महत्व की जानकारी दी। शुरुआत में रवि रंजन ने ई-लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर के एडवान्स्ड मॉड्यूल की जानकारी दी। उन्होंने बारकोड इन लाइब्रेरी सिस्टम पर फोकस करते हुए बताया कि बुक इश्यू करते समय अभी आपको हर मेम्बर की मेन्युली एंट्री करनी पड़ती है, जिसमें समय ज्यादा लगता है। मगर बारकोड स्केनर से एक क्लिक के बाद पूरी जानकारी ऑटोमेटिक अपडेट हो जाती है।

KENDRIYA VIDYALAYA NO.2 AFS, GWALIOR

3 DAY WORKSHOP ON e-Granthalaya SOFTWARE (II-Phase)
FOR AUTOMATION AND NETWORKING OF KVs LIBRARIES
IN ASSOCIATION WITH NIC, NEW DELHI
(FROM 30-04-2013 TO 02-05-2013)

पत्रिका

WEDNESDAY, 01.05.13

CITY-EVENTS

केवी 2 में ई लाइब्रेरी पर वर्कशॉप

ग्वालियर. पुस्तकों से व्यक्ति का समग्र विकास होता है। यह कहना है सीबीएसई के उपायुक्त डॉ. जयदीप दास का। वह मंगलवार को केवी 2 में आयोजित तीन दिवसीय ई ग्रन्थालय सॉफ्टवेयर वर्कशॉप के उद्घाटन सत्र में बोल रहे थे। यह वर्कशॉप केवी विद्यालय संगठन और एनआईसी नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित की जा रही है। इस मौके पर संभाग के 38 केन्द्रीय विद्यालयों के 38 पुस्तकालाध्यक्ष और कम्प्यूटर शिक्षक शामिल रहे। इस वर्कशॉप में एनआईसी नई दिल्ली के वैज्ञानिक डॉ. रवि रंजन और रामकृष्ण उपस्थित थे। उन्होने न्यू टेक्नोलॉजी पर अपने विचार व्यक्त किए। उनका कहना था कि केवी को इस सुविधा के जरिए टीचर एवं स्टूडेंट्स को एक ही विषय पर अनेक पुस्तकों का संग्रह आसानी से उपलब्ध हो सकेगा।

KENDRIYA VIDYALAYA NO.2 AFS, GWALIOR

3 DAY WORKSHOP ON e-Granthalaya SOFTWARE (II-Phase)
FOR AUTOMATION AND NETWORKING OF KVs LIBRARIES
IN ASSOCIATION WITH NIC, NEW DELHI
(FROM 30-04-2013 TO 02-05-2013)

आइए बनें पंछियों का सहारा
दैनिक भास्कर
की विनम्र पहल

ग्वालियर . गुरुवार. 2 मई, 2013 | 3

ऑटोमेशन वक्त की जरूरत

केवी-2 में तीन दिवसीय ई-ग्रंथालय सॉफ्टवेयर पर आयोजित ट्रेनिंग वर्कशॉप में बुधवार को एनआईसी एक्सपर्ट ने 100 से अधिक लाइब्रेरियन को ट्रेनिंग दी।

TRAINING WORK SHOP

सिटी रिपोर्टर. ग्वालियर

लाइब्रेरी में ऑटोमेशन प्रकिया जरूरी होती है। इसके बाद ही लाइब्रेरी को डिजिटल किया जा सकता है। ऑटोमेशन का प्रयोग कर वेबपेज पर एक क्लिक से ही सभी बुक्स की जानकारी सार्वजनिक रूप से एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा सकती है। इससे बुक सर्च करने में स्टूडेंट्स के साथ लाइब्रेरियंस को भी आसानी रहती है। यह लाइब्रेरी तकनीकी रूप से मजबूत होने के कारण किसी भी केवी स्कूल के स्टूडेंट्स अपने आइडियाज को शेयर कर सकते हैं। इससे स्टूडेंट्स भी पसंद की बुक्स एक्सेस आसानी से कर सकेंगे। यह बात एनआईसी (नेशनल इंफॉर्मेशन सेंटर) के साइंटिफिक ऑफिसर रविरंजन और साइंटिस्ट रामकृष्ण ने केवी-2 में तीन दिवसीय ई-ग्रंथालय सॉफ्टवेयर पर आयोजित ट्रेनिंग वर्कशॉप में कही। वह केवी स्कूल्स से आए लाइब्रेरियंस को इस सॉफ्टवेयर की बारीकियां सिखा रहे थे।

ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर की जानकारी प्राप्त करते केंद्रीय विद्यालय के लाइब्रेरियन।

सभी केवी कर सकेंगे डाटाबेस शेयर

उन्होंने ट्रेनिंग के दौरान बताया कि यह सॉफ्टवेयर इतना प्रभावी है कि स्टूडेंट्स देश के किसी भी कोने से अपनी पसंद की बुक्स नेट के माध्यम से देख और पढ़ सकते हैं। बुक्स को विषय के आधार पर वर्गीकरण किया गया है। इस सॉफ्टवेयर का यूज कर बुक्स बेहतर तरीके से व्यवस्थित की जा सकती हैं।इसके अलावा एक केवी दूसरे केवी स्कूल के डाटाबेस को शेयर कर सकता है।इसके लिए उन्हें बुक्स की दुबारा एंट्री नहीं करनी पड़ेगी। यह सुविधा यूनियन कैटलॉग के तहत उपलब्ध है। इस कैटलॉग को ई-ग्रंथालय के माध्यम से बनाया जा सकता है।इसमें देशभर के 1090 स्कूलों की लायब्रेरी को आपस में कनेक्टकिया जा सकता है।यह सॉफ्टवेयर एनआईसी के डायरेक्टर जनरल एम मोनी के मार्गदर्शन में सुचारू रूप से संपादित किया जा रहा है।

KENDRIYA VIDYALAYA NO.2 AFS, GWALIOR

3 DAY WORKSHOP ON e-Granthalaya SOFTWARE (II-Phase)
FOR AUTOMATION AND NETWORKING OF KVs LIBRARIES
IN ASSOCIATION WITH NIC, NEW DELHI
(FROM 30-04-2013 TO 02-05-2013)

नईदुनिया

ग्वालियर, गुरुवार 02 मई 2013

सॉफ्टवेयर से मिल सकती है बेहतर जानकारी

केंद्रीय विद्यालय-2 में ई-ग्रंथालय सॉफ्टवेयर वर्कशॉप का दूसरा दिन

ग्वालियर। ई-ग्रंथालय सॉफ्टवेयर के मॉड्यूल्स से पुस्तकालय के ऑटोमेशन में सुधार लां सकते हैं और पाठकों को और भी बेहतर सुविधाजनक जानकारी प्रदान कर सकते हैं। यह कहना था नई दिल्ली से आए वैज्ञानिक रविरंजन का। वे बुधवार को केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-2 में ई-ग्रंथालय सॉफ्टवेयर विषय पर चल रही तीन दिवसीय वर्कशॉप के दूसरे दिन उपस्थित टीचर्स को संबोधित कर रहे थें।

उन्होंने कहा कि किए गए सुधार को आम लोगों तक बेवपेज के थ्रू पहुंचाया जा सकता है। वे बुक्स से जुड़ी जानकारी को एक क्लिक में अपने सामने आसानी से पा सकते हैं, इसके लिए बस थोड़े से प्रयास करे होंगे।

जुड़ सकती हैं सभी शाखाएं

कार्यक्रम के दौरान नई दिल्ली से आए वैज्ञानिक कृष्णा ने कहा कि लायब्रेरी के टेक्नोलॉजी से जुड़ जाने पर वे संग्रहित किताबों को स्कूल के किसी भी कॉर्नर में बैठकर पढ़ सकते हैं। लेकिन जब इन्हें बेवपेज पर ले जाए तो सभी बुक्स को चेप्टर के हिसाब से अलग-अलग वर्ग में विभाजित करना होगा। इसके अलावा केंद्रीय विद्यालय दूसरी शाखाओं में भी इस जानकारी को भेज सकता है। ऐसा करने पर किताबों की दोबारा एंट्री नहीं करना पड़ेगी। यह सुविधा यूनियन कैटलॉग के अंतर्गत की जा सकती है। उन्होंने बताया कि इससे एक लायब्रेरी दूसरी लायब्रेरी के साथ इंटर रिसोर्स शेयरिंग भी कर सकते हैं।

KENDRIYA VIDYALAYA NO.2 AFS, GWALIOR

3 DAY WORKSHOP ON e-Granthalaya SOFTWARE (II-Phase)

FOR AUTOMATION AND NETWORKING OF KVs LIBRARIES

IN ASSOCIATION WITH NIC, NEW DELHI

(FROM 30-04-2013 TO 02-05-2013)

पत्रिका

THURSDAY, 02.05.13

ऐसे चलाएं ई-लाइब्रेरी

ग्वालियर। पुस्तकालय के ऑटोमेशन में किस प्रकार सुधार कर सकते है और इसे किस प्रकार नेटवर्क के आसानी से बेवपेज पर क्लिक करते हुए पुस्तकों की जानकारी ले सकते हैं। यह कहना था डॉ. रविरंजन का जोकि केवी 2 में ई ग्रन्थालय सॉफ्टवेयर के प्रशिक्षण सत्र में बुधवार को बोल रहे थे। उन्होंने बताया इस सुविधा के अतंर्गत पुस्तकों की सुविधा नेट के माध्यम से आसानी से देख सकते है। और देश के केन्द्रीय विद्यालय अपने डाटाबेस को शेयर भी कर सकते हैं। यह सुविधा यूनियन कैटलॉग के तहत संभव है। यह यूनियन कैटलॉग ई ग्रन्थालय के नाम से बनाया जा रहा है। इस सुविधा के जरिए केवी संगठन की 1090 लाइब्रेरी आपस में कनेक्ट हो सकेंगी।

इस सॉफ्टवेयर की ट्रेनिंग भारत सरकार के एनआईसी नई दिल्ली के डॉयरेक्टर जनरल एम मोनी के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। इस अवसर पर केवी स्कूलों के पुस्ताकालाध्यक्ष और लाइब्रेरियन उपस्थित थे।